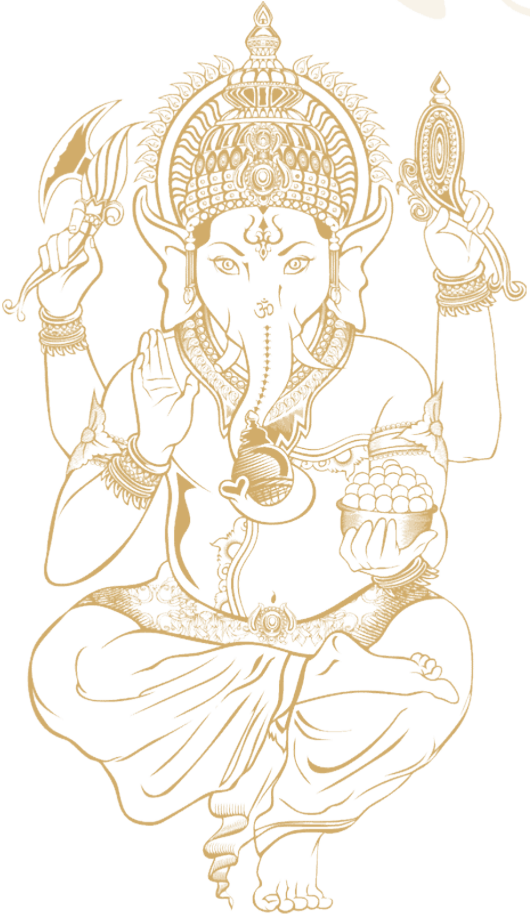

Bhawna Kejriwal

02 Sep 2006

05:47 AM

Howrah

Model: web-freekundliweb

Order No: 121147805

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**02/09/2006**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**05:47:00 घंटे**
इष्ट	01:08:46 घटी
स्थान	**Howrah**
राज्य	West Bengal
देश	India

अक्षांश	22:35:00 उत्तर
रेखांश	88:20:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:23:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:10:20 घंटे
वेलान्तर	00:00:12 घंटे
साम्पातिक काल	04:54:24 घंटे
सूर्योदय	05:19:29 घंटे
सूर्यास्त	17:52:56 घंटे
दिनमान	12:33:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	15:27:47 सिंह
लग्न के अंश	20:56:18 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	प्रीति
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	यू-युक्ता
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	20:56:18	331:14:31	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			सिंह	15:27:47	00:58:04	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			वृश्चि	28:07:29	13:10:38	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	नीच राशि
मंगल		अ	कन्या	02:04:51	00:38:30	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
बुध		अ	सिंह	16:14:38	01:55:26	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			तुला	19:35:57	00:08:49	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	00:48:14	01:14:01	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
शनि			कर्क	24:07:33	00:07:21	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	01:30:33	00:01:09	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
केतु	व		कन्या	01:30:33	00:01:09	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	18:56:03	00:02:23	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	---
नेप	व		मक	23:53:21	00:01:29	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
प्लूटो	व		धनु	00:07:45	00:00:06	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
दशम भाव			वृष	20:56:19	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:02

लग्न-चलित

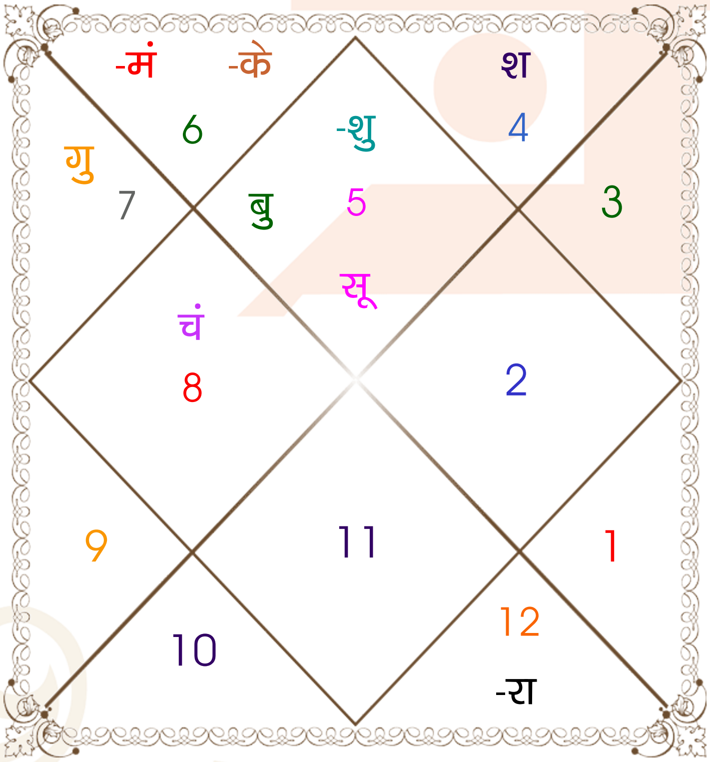

चन्द्र कुंडली

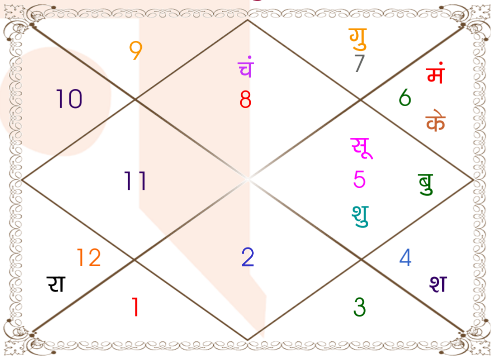

नवमांश कुंडली

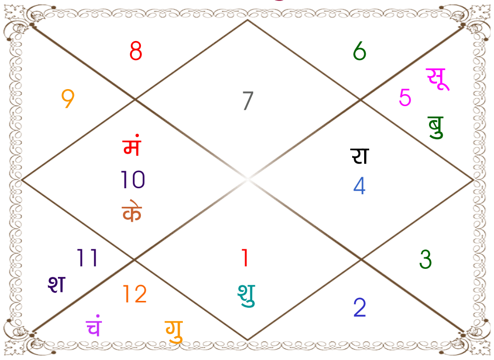

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 2 वर्ष 4 मास 21 दिन

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
02/09/2006	**22/01/2009**	**23/01/2016**	**23/01/2036**	**22/01/2042**
22/01/2009	**23/01/2016**	**23/01/2036**	**22/01/2042**	**23/01/2052**
00/00/0000	केतु 20/06/2009	शुक्र 24/05/2019	सूर्य 11/05/2036	चंद्र 23/11/2042
00/00/0000	शुक्र 20/08/2010	सूर्य 24/05/2020	चंद्र 10/11/2036	मंगल 24/06/2043
00/00/0000	सूर्य 26/12/2010	चंद्र 22/01/2022	मंगल 18/03/2037	राहु 23/12/2044
00/00/0000	चंद्र 27/07/2011	मंगल 24/03/2023	राहु 10/02/2038	गुरु 24/04/2046
00/00/0000	मंगल 23/12/2011	राहु 24/03/2026	गुरु 29/11/2038	शनि 23/11/2047
00/00/0000	राहु 10/01/2013	गुरु 22/11/2028	शनि 11/11/2039	बुध 23/04/2049
00/00/0000	गुरु 17/12/2013	शनि 23/01/2032	बुध 16/09/2040	केतु 22/11/2049
02/09/2006	शनि 26/01/2015	बुध 23/11/2034	केतु 22/01/2041	शुक्र 24/07/2051
शनि 22/01/2009	बुध 23/01/2016	केतु 23/01/2036	शुक्र 22/01/2042	सूर्य 23/01/2052

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
23/01/2052	**23/01/2059**	**22/01/2077**	**22/01/2093**	**24/01/2112**
23/01/2059	**22/01/2077**	**22/01/2093**	**24/01/2112**	**03/09/2126**
मंगल 20/06/2052	राहु 05/10/2061	गुरु 12/03/2079	शनि 26/01/2096	बुध 21/06/2114
राहु 08/07/2053	गुरु 28/02/2064	शनि 23/09/2081	बुध 05/10/2098	केतु 19/06/2115
गुरु 14/06/2054	शनि 04/01/2067	बुध 29/12/2083	केतु 14/11/2099	शुक्र 18/04/2118
शनि 24/07/2055	बुध 24/07/2069	केतु 04/12/2084	शुक्र 14/01/2103	सूर्य 23/02/2119
बुध 20/07/2056	केतु 11/08/2070	शुक्र 05/08/2087	सूर्य 27/12/2103	चंद्र 24/07/2120
केतु 16/12/2056	शुक्र 11/08/2073	सूर्य 24/05/2088	चंद्र 28/07/2105	मंगल 22/07/2121
शुक्र 16/02/2058	सूर्य 06/07/2074	चंद्र 23/09/2089	मंगल 06/09/2106	राहु 08/02/2124
सूर्य 23/06/2058	चंद्र 05/01/2076	मंगल 29/08/2090	राहु 12/07/2109	गुरु 16/05/2126
चंद्र 23/01/2059	मंगल 22/01/2077	राहु 22/01/2093	गुरु 24/01/2112	शनि 03/09/2126

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 2 वर्ष 4 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगी।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाली हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करती हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगी। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगी तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगी तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगी। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगी। आपको एक स्थान से अन्य भीड़ भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करती हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

अपने समझदार पति एवं चुस्त दुरुस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पति एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपने जीवन संगी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगी। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य पुरुष को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपने पति को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहती हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगी। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सकी तो आपको अपनी वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगी तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगी। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति की महिला हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखती तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगी। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सकी तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकती हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, ंमंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।